BECC-134

कला स्नातक कार्यक्रम
(BAG)

सत्रीय कार्य 2023–24

पाठ्यक्रम कोड : बी.ई.सी.सी.–134
पाठ्यक्रम शीर्षक : समष्टि अर्थशास्त्र के सिद्धांत-II

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – 110068

बीईसीसी-134 : समष्टि अर्थशास्त्र के सिद्धांत–II

प्रिय विद्यार्थी,

जैसा कि हमने आपको कार्यक्रम-निर्देशिका में सूचित किया था, इग्नू में मूल्यांकन दो भागों में होता हैः (i) सत्रीय कार्यं द्वारा निरंतर मूल्यांकन; और (ii) सत्रांत परीक्षा। अतिम परीक्षा परिणाम में, सभी सत्रीय कार्यों के लिए 30% अंक निर्धारित है, जबकि सत्रांत परीक्षा के लिए 70% अंक।

आपको 6 क्रेडिट के पाठ्यक्रम के लिए 3 सत्रीय कार्य करने होंगे, और 4 क्रेडिट के पाठ्यक्रम के लिए 2 सत्रीय कार्य करने होंगे। इस सत्रीय कार्य की पुस्तिका में **बी.ई.सी.सी.-134: समष्टि अर्थशास्त्र के सिद्धांत-II** नामक कोर पाठ्यक्रम का सत्रीय कार्य सम्मिलत है जो 6 क्रेडिट का पाठ्यक्रम है। इस पुस्तिका में 3 शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य है जिनके अंकों का योगफल 100 है और मूल्यांकन में भार 30% है।

सत्रीय कार्य-I में वर्णात्मक श्रेणी के प्रश्न (DCQs) हैं। इनमें आपको निबंधात्मक उत्तर लिखने हैं जिनमें प्रस्तावना और निष्कर्ष भी होते हैं। इनका लक्ष्य आपकी विषयवस्तु को ठीक से समझ उसे भली प्रकार सुस्पष्ट रूप से व्यक्त करने की क्षमता का मूल्यांकन करना है।

सत्रीय कार्य-II में मध्य श्रेणी के प्रश्न हैं। यहाँ आपकी विषय की तर्कों के अनुसार व्याख्या करते हुए संगठित उत्तर लिखने की क्षमता का मूल्यांकन किया जाता है। दूसरे शब्दों में, आपकी विभिन्न संकल्पनाओं एवं प्रक्रियाओं में भेद एवं तुलना कर पाने की क्षमता का यहाँ आंकलन किया जाएगा।

सत्रीय कार्य–III में, संक्षिप्त उत्तर वर्ग (SCQs) के प्रश्न हैं। ये प्रश्न आप व्यक्तियों, रचनाओं, घटनाओं या संकल्पनाओं एवं प्रक्रियाओं का पुनःस्मरण कर संबद्ध जानकारी को संक्षेप में व्यक्त करने की क्षमता का विकास करेंगे।

सत्रीय कार्य करना आरंभ करने से पूर्व कार्यक्रम निदेशिका के निर्देशों को ध्यानपूर्वक समझ लें। यह बहुत महत्त्वपूर्ण है कि आप अपने शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में दें। आपके उत्तर बताई गई शब्द सीमा में ही होने चाहिए। याद रखें कि इन प्रश्नों के उत्तर लिखने से आपकी लेखन कला में सुधार होगा और आपकी परीक्षा हेतु तैयारी भी होगी।

आपको सत्रांत परीक्षा में शामिल होने का पात्र बनने के लिए कार्यक्रम निदेशिका में बताई गई समय सीमाओं में ही अपने सत्रीय कार्य जमा कराने होंगे।

ये सत्रीय कार्य अपने अध्ययन केंद्र के संयोजक के पास निम्नलिखित समय सीमा के अंदर जमा करा देने चाहिए।

i) **जुलाई 2023 सत्र में प्रवेश पाने वाले विद्यार्थियों के लिए सत्रीय कार्य जमा करने की अंतिम तिथि 30 अप्रैल, 2024 है।**

ii) **जनवरी 2024 सत्र में प्रवेश पाने वाले विद्यार्थियों के लिए सत्रीय कार्य जमा कराने की अंतिम तिथि 31 अक्तूबर 2024 है।**

आपको अध्ययन केंद्र से सत्रीय कार्य जमा करने की रसीद मिलेगी। उसे संभाल कर रखें। संभव हो तो अपने सत्रीय कार्य की एक फोटो प्रतिलिपि भी करा रखें।

अध्ययन केंद्र मूल्यांकन के बाद आपके सत्रीय कार्य आपको लौटाएगा। आपको मिले अंक अध्येता मूल्यांकन प्रभाग, इग्नू, नई दिल्ली को भेजें जाएंगे?

हम आशा करते हैं कि आप सभी प्रश्न सत्रीय कार्यों में उनके लिए दिए गए निर्देशों के अनुसार हल करेंगे। इन बातों का ध्यान रखना उपयोगी रहेगा :

1) **नियोजन :** प्रश्नों को ध्यान से देखें और उन इकाइयों को पढ़ें जिन पर वे आधारित हैं। प्रत्येक प्रश्न के महत्त्वपूर्ण बिंदुओं को लिखकर रखें तथा उन्हें तार्किक क्रम में संयोजित करें।

2) **गठन :** अपने उत्तरों की प्रारंभिक रूपरेखा तैयार करते समय कुछ चयन और विश्लेषण ज़रूर करें। अपनी प्रस्तावना तथा निष्कर्षों पर विशेष ध्यान दें।
   सुनिश्चित करें कि आप के उत्तर :
   (क) तर्काधारित एवं सुसंगतिपूर्ण हों;
   (ख) वाक्यों एवं अनुच्छेदों के बीच स्पष्ट संबंध सूत्र हों, और
   (ग) लिखते समय अभिव्यक्ति, शैली एवं प्रस्तुति पर पर्याप्त ध्यान देते हुए सही उत्तर दिए गए हों।

3) **प्रस्तुति :** जब आप स्वयं संतुष्ट हो जाएं तो जमा कराने के लिए अपने अंतिम साफ-साफ लिखें, जहाँ आवश्यक हो, महत्त्वपूर्ण बिंदुओं को रेखांकित भी करें। यह भी ध्यान रखें कि बताई गई शब्द सीमाओं का अनुपालन हो रहा हो।

बीईसीसी-134 : समष्टि अर्थशास्त्र के सिद्धांत–II
शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य (टीएमए)

पाठयक्रम कोड : बी.ई.सी.सी.-134
सत्रीय कार्य कोड : एएसटी/टीएमए/2023-24
कुल अंक : 100

सत्रीय कार्य–1

निम्नलिखित वर्णनात्मक श्रेणी के प्रश्नों का उत्तर (प्रत्येक का) लगभग 500 शब्दों में देना है। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है। **2x20=40**

1. (क) मुद्रास्फीति के कारणों और प्रभावों की व्याख्या कीजिए।

   (ख) अर्थव्यवस्था में अवस्फीति की लागत का संक्षिप्त विवरण दीजिए।

2. (क) LM वक्र के ढाल की व्याख्या कीजिए। मुद्रा आपूर्ति में कमी होने पर क्या होगा? आरेख की सहायता से समझाइए।

   (ख) IS-LM विश्लेषण की सहायता से समग्र माँग वक्र व्युत्पन्न कीजिए।

सत्रीय कार्य–2

निम्नलिखित मध्यम उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर लगभग (प्रत्येक का) 250 शब्दों में देना है। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का हैं। **3x10=30**

3. विभिन्न प्रकार की विनिमय दर व्यवस्थाएं क्या हैं? इनमें अंतर बताइए।

4. कीनेसियन क्रॉस (Keynesian Cross) की सहायता से IS वक्र व्युत्पन्न कीजिए। IS वक्र की स्थिति को कौन से कारक प्रभावित करते हैं?

5. ऊर्ध्वाकार दीर्घावधि फिलिप्स वक्र का ऋणात्मक ढलान अल्पावधि फिलिप्स वक्र से मिलाप आप किस प्रकार दर्शाएंगे? एक आरेख की सहायता से समझाएँ।

सत्रीय कार्य–3

निम्नलिखित लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर (प्रयेक का) लगभग 100 शब्दों में देना है। प्रत्येक प्रश्न 6 अंक का है। **5x6=30**

6. निम्नलिखित में अंतर करें :

   i) अनुकूली प्रत्याशाएँ एवं युक्तियुक्त प्रयाशाएँ

   ii) पूर्ण और सापेक्ष क्रय शक्ति तुल्यता।

7. क्या आप इस कथन से सहमत हैं कि 'भुगतान संतुलन सदैव संतुलित रहता है'? टिप्पणी कीजिए।

8. विनिमय दर निर्धारण के लिए परिसंपत्ति बाजार दृष्टिकोण की व्याख्या कीजिए।

9. बेरोजगारी की गैर–गतिवर्धक मुद्रास्फीति दर (NAIRU) की व्याख्या करें।

10. समग्र माँग वक्र का ऋणात्मक ढलान क्यों होता है?